दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001

(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)

सम्बद्ध

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
फैक्स नं0 : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : ...../2021–22 दिनांक : 02.04.2022

प्रकाशनार्थ

आज दिनाँक 02 अप्रैल 2022 को दिग्विजयनाथ पी.जी कॉलेज गोरखपुर में चैत्र नवरात्र एवं नव वर्ष विक्रम संवत 2079 के पावन अवसर पर महाविद्यालय में एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें प्राचार्य प्रोफ ओमप्रकाश सिंह ने सभी प्रध्यापक गण एवं कर्मचारियों को नव वर्ष एवं चैत्र नवरात्र की बधाई देते हुए कहा की हिंदू नववर्ष का प्रारंभ चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से होता है. इस साल हिंदू नववर्ष का प्रारंभ आज 02 अप्रैल दिन शनिवार को चैत्र नवरात्रि से हुआ है। हिंदू नववर्ष को विक्रम संवत या नव संवत्सर कहते हैं। इसका प्रारंभ सम्राट विक्रमादित्य ने किया था, जो चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से शुरु होता है।आज हिंदू नववर्ष 2079 या विक्रम संवत 2079 का प्रारंभ हुआ है, हिंदू नववर्ष को विक्रम संवत, नव संवत्सर, गुड़ी पड़वा, उगाड़ी आदि नामों से भी जाना जाता है। विक्रम संवत के प्रथम दिन से ही बसंत नवरात्रि का प्रारंभ होता है, जो चैत्र नवरात्रि के नाम से भी लोकप्रिय है।

प्राचार्य ने आगे बोलते हुए कहा कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, विक्रम संवत के प्रथम दिन ब्रह्मा जी ने इस सृष्टि की रचाना की थी। प्रभु श्रीराम एवं धर्मराज युधिष्ठिर का राज्याभिषेक भी विक्रम संवत के प्रथम दिन हुआ था, हिंदू नववर्ष के प्रथम दिन से ही नया पंचाग शुरू होता है। विक्रम संवत की प्रत्येक तिथि यानी दिन की गणना सूर्योदय को आधार मानकर किया जाता है। हिंदू कैलेंडर का हर दिन सूर्योदय से शुरु होता है और अगले सूर्योदय तक मान्य होता है। विक्रम संवत कैलेंडर अंग्रेजी कैलेंडर से 57 साल आगे है। जहां ईसवी सम्वत के नव वर्ष की शुरुआत कोहरे और ठिठुरन जैसे प्राकृतिक प्रतिकूलताओं के बीच होती है वहीं हिन्दू नव वर्ष एक कृषि प्रधान देश में फसल कटाई के माध्यम से किसान के समृद्धि के साथ आरंभ होता है।

कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन श्री पवन कुमार पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर कम्प्यूटर विज्ञान विभाग द्वारा किया ने किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रो. ओम प्रकाश सिंह
प्राचार्य